DELHI PUBLIC SCHOOL NEWTOWN
SESSION 2021-22
MONDAY TEST

CLASS: IX **FULL MARKS: 40**
SUBJECT: HINDI **DATE: 20.12.21**

General Instructions

- **This paper consists of three printed pages.**
- **All questions are compulsory.**
- **Copy the question number carefully before answering the question.**

QUESTION- 1

निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़ें और उत्तर अपने शब्दों में लिखें - [10]

एक बार संत ज्ञानेश्वर के दो शिष्य तनय और मनय में बहस छिड़ गई | तनय का कहना था कि भाग्य के बिना कुछ नहीं होता लेकिन मनय का कहना था कि कर्म प्रधान होता है | अंतिम निर्णय के लिए दोनों ज्ञानेश्वर के पास पहुँचे | ज्ञानेश्वर ने कहा – "इसका उत्तर मैं दूंगा लेकिन एक शर्त है, तुम दोनों को कल सुबह से रात तक बिना कुछ खाए पीए एक अंधेरी कोठरी में बंद रहना होगा|"

दूसरे दिन ज्ञानेश्वर ने दोनों को कोठरी में बंद कर दिया | काफी रात बीत गई | मनय बोला – "भूख लगी है कोठरी में कुछ ढूंढो | शायद कुछ खाने को मिल जाए | तनय बोला -"जो भाग्य में है वही होगा यहाँ खाने को कुछ नहीं है, लेकिन मनय अंधेरे में इधर-उधर खोजने लगा | उसे ताक पर रखा एक छोटी मटकी मिल गई | उसमें कुछ भुने चने थे | उसने तनय से कहा - "देखा मैंने हाथ पांव मारे तो चने मिल गए | अगर प्रयत्न ही नहीं किया होता तो यह कैसे मिलता ?"तनय बोला – "यह भी तुम्हारे भाग्य से मिला है | मनय बोला – "ठीक है यदि तुम भाग्य को श्रेष्ठ मानते हो तो लो इस मटके के चने के साथ कुछ कंकड़ भी मिले हैं, इन्हें तुम अपनी किस्मत समझ कर अपने पास रख लो और भूखे सो जाओ |" उसने कंकड़ तनय को दे दिया |

सुबह ज्ञानेश्वर ने उन्हें कोठरी से बाहर निकाला और कहा -"कहो कैसा अनुभव रहा ! मनय सारी बात बताई और कहा कि उसे मटकी के कंकड़ भाग्यवादी तनय को दे दिया | आचार्य ने कहा -"यह ठीक है कि तुमने कर्म किया तो तुम्हें खाने को चने मिले लेकिन तनय भाग्यशाली है कि उसे बिना कोई कर्म के ही हीरे मिलता है जिसे तुम कंकड़ समझ रहे हो, वह असल में हीरे हैं | मैंने ही चने में मिला कर रखे थे |"

दोनों शिष्यों ने पूछा - "फिर भाग्य श्रेष्ठ हुआ या कर्म ?" आचार्य ने कहा दोनों ही श्रेष्ठ हैं क्योंकि कर्म और भाग्य एक दूसरे के पूरक हैं | कर्म भाग्य के बिना अधूरा है और भाग्य कर्म के बिना |

क) संत ज्ञानेश्वर के कितने शिष्य थे ? उनका क्या नाम था ?
ख) दोनों में कौन भाग्य को अधिक महत्व देता था ? दोनों अंतिम फैसले के लिए किसके पास पहुँचे ?
ग) मनय को अँधेरी कोठरी में क्या मिला ? उसमें क्या था ?
घ) चने में क्या था ? उसने उसे किसे दे दिया
ङ) आचार्य ने अपने शिष्यों के प्रश्न का उत्तर क्या कहकर दिया ?

QUESTION- 2

i) निम्नलिखित शब्दों का विलोम लिखें – [1]
निर्मल, सदाचार

ii) निम्न अशुद्ध शब्दों को शुद्ध करें – [1]
कवित्री, वस्तू

iii) निम्न पर्यायवाची शब्दों में से किसी एक का दो पर्याय लिखें – [1]
सेवक, उजाला

iv) भाववाचक संज्ञा लिखें – [1]
लाल, समान

v) विशेषण बनाएं – [1]
रस, जंगल

vi) निम्न मुहावरों में से किसी एक की सहायता से वाक्य बनाएं – [1]
चल बसना, नाक में दम करना

vii) निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए – [4]

a) आजकल महँगाई चर्म सीमा पर पहुँच गई है |
(रेखांकित स्थान के लिए सही शब्द प्रयोग करें)

b) हमने चित्र बनाया | ('द्वारा' शब्द का प्रयोग करें)

c) मुझे एक पुस्तक दो | ('कृपया' शब्द से वाक्य शुरू कीजिए)

d) वाणी की मधुरता सभी को आकर्षित करती है |
(रेखांकित शब्द के स्थान पर विशेषण का प्रयोग कीजिए)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें

QUESTION – 3

वह जन्मभूमि मेरी, वह मातृभूमि मेरी
ऊँचा खड़ा हिमालय, आकाश चूमता है,
नीचे चरण तले पड़, नित सिंधु झूमता है |
गंगा, यमुना, त्रिवेणी, नदियाँ लहर रही हैं,
जगमग छटा निराली, पग – पग पर छहर रही हैं |

i) 'जन्मभूमि' शब्द का क्या अर्थ है ? कवि की जन्मभूमि कहाँ है ? [2]

ii) कवि को ऐसा क्यों लगता है कि हिमालय आकाश को चूमता है ? भारत माता के चरणों को कौन – सा सागर धो रहा है ? [2]

iii) 'मातृभूमि' शब्द का अर्थ लिखें और बताएँ कि कवि की मातृभूमि की क्या विशेषताएँ हैं ? [3]

iv) शब्दों का अर्थ लिखें – पग, छटा, निराली, स्वर्णभूमि, चरण, त्रिवेणी | [3]

QUESTION-4

जन्मे जहाँ थे रघुपति, जन्मी जहाँ थी सीता,
श्रीकृष्ण ने सुनाई, वंशी पुनीत गीता |
गौतम ने जन्म लेकर, जिसका सुयश बढ़ाया,
जग को दया दिखाई, जग को दीया दिखाया |
वह युद्धभूमि मेरी, वह बुद्धभूमि मेरी |
वह जन्मभूमि मेरी, वह मातृभूमि मेरी |

i) प्रस्तुत कविता किस प्रकार की है? इस कविता में किसका गुणगान किया गया है? [2]
ii) श्रीकृष्ण ने कहाँ और किसे गीता का उपदेश दिया था? उन्हें ऐसा क्यों किया था ? [2]
iii) कवि ने भारत को युद्धभूमि और बुद्धभूमि क्यों कहा है ? [3]
iv) कविता का केन्द्रीय भाव लिखें | [3]